ऋषिकुल सनातन कॉलेज – हिन्दी विभाग का शिक्षण और प्रशिक्षण

सिध्दांत – **“ हिन्दी शिक्षा एक चुनौती”**

लक्ष्य

हमारा हिन्दी विभाग शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाईन सुविधाओं से ऋषिकुल सनातन कॉलेज के कक्षा नौ से लेकर कक्षा तेरह के सभी हिन्दी विषय पढ़ने एंव लिखने वाले विर्धाथीयों को विभिन्न पाठयक्रमों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथा ज़रूरी जानकारियाँ मूडल पर प्रदान करने की चुनौतियों को सविकारते हुए शिक्षण और प्रशिक्षण के इस नए दौर हेतू अपने बच्चों को मार्ग दर्शक कराने तथा एक सूत्र में बाँधने का प्रयन्त करता है ।

दृष्टि

ऋषिकुल हिन्दी विभाग कि यही कोशिश रहेगी कि इस पाठशला में भी नई तकनिकी अथवा उपकरणों के माध्यम से विर्धाथीयों को सहायता पहुँचाना ताकी फासले बच्चों की पढ़ाई में बाधक ना बने और अन्य विष्यिों कि तरह हिन्दी विषय भी साधन अनुसार अपनी किरणे सदैव बिखेरती रहे ।

विषय संयोजन

हिन्दी की पढ़ाई ना केवल एक- मात्र हिन्दी से ही जुड़ि विष्यों को पढ़ाई जाती है बल्कि उनके साथ गणित, अंग्रेज़ी, इतिहास, भुगोलिक,एकांउटिंग तथा अर्थशास्त्र जैसे विष्यिों का मिश्रित विषय बच्चों को प्रदान किया जाता है ताकी वे नौकरी के सही क्षेत्र में कामयाब हो सकें ।

करियर अवसर

हिन्दी की तथा अंग्रेज़ी की पढ़ाई एवं ज्ञान होने से बच्चे अनुवादक , अध्यापनकार्य. कोर्ट, रेडियो उध्दोषक, समाचार विभाग जैसे स्थानों पर नौकरी कर सकते हैं ।

हिन्दी विभाग का संछिप्त रिपोर्ट

जब से मानव अस्तित्व में आया तब ही से भाषा का उपयोग कर रहा है चाहे वह ध्वनि के रूप में हो या संकेतिक रूप अथ: अन्य रूप में । भाषा हमारे लिए बोलचाल तथा संप्रेषण का माध्यम होती है । यह बिलकुल सही है कि मनुष्य एक ससामाजिक प्राणी है । समाज का निर्माण मनुष्यों के पारस्परिक सहयोग से होता है, सम्भौत: समाज में रहते हुए मानव ,आपस में अपनी इच्छाओं तथा विचारों का आदान प्रदान करता है । फलत: विचारों को व्यक्त करने के लिए उसे भाषा की आवश्यकता होती है । अथवा हम यह कह सकते हैं कि सार्थक ध्वनियों का समूह जो हमारी अभिव्यक्ति का साधन हो,भाषा कहलाता है । भाषा के साथ एक महत्वपूर्ण बात यह है कि भाषा केवल ध्वनि से व्यक्त नहीं होती अपितु,संकेत तथा हाव- भावों से भी व्यक्त होती है । “भाषा परिवर्तनशील है”, यह परिर्वतित होती रहती है। हिन्दी विभाग में तीन अध्यापकगण हैं जो कक्षा नौ से लेकर कक्षा तेराह तक में हिन्दी की शिक्षण प्रदान करते हैं । इस पाठशाला में कुल मिलाकर, २५० बच्चे हैं जो हिन्दी की पढ़ाई कर रहे हैं । हम अध्यापकों की यही कोशिश रहती है कि शिक्षामंत्रालय का नियम पालन करते हुए अपना सेवा प्रदान करना, ताकी हमारे बच्चे ना केवल हिन्दी की पढ़ाई से वंचित रहे बल्कि, अपने संस्कृति, भारतीय-सभ्यता तथा परमप्राओं का ज्ञान आदान- प्रदान करते हुए इसे जीवित रखे ताकी भविष्य की पीढ़ी भी हिन्दी एवं हमारी भाषा की नारा लगाते रहें ।अन्त में हम अध्यापकगण शिक्षामंत्रालय को तथा अपने कॉलेज की संचालिका, श्री मति रोज़ शर्मा जी को मूडल द्वारा बच्चों को सहायता पहुँचाने के लिए अनेक धन्यवाद देते हैं क्योंकि, ये सुविधा काफी सहरानिय रहेगी तथा हम अपने छात्रों से सम्पर्क बनाए रखने में सफल रहेगें ।